चूरू में 10 दिन पहले ज्वैलर्स के यहां 2.70 करोड़ की चोरी का खुलासा, 30 जवानों ने 1000 सीसीटीवी खंगाले

फुटेज में बदमाशों की आंख दिखी, AI से 200 फोटो की सिक्वेंसिंग, गिरोह पकड़ा

भास्कर न्यूज | चूरू/रतनगढ़।

उत्तरी बाजार में 30 नवंबर को ज्वैलर्स के यहां 2.70 करोड़ के गहने और नकदी की चोरी का खुलासा पुलिस ने किया है। यह चोरी यूपी की बैटरी गैंग ने की थी। अहम बात यह कि पुलिस ने नकाबपोशों का एआई से फोटो बनवाकर गिरोह को पकड़ा। आरोपियों में भागीरथ (42), यादराम (52) निवासी औरेया (यूपी) और अजय सिंह निवासी झोटवाड़ा हैं। दो आरोपी अभी भी फरार हैं।

चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि इसी गिरोह ने बंगाल में भी 4 किलो सोना चुराया था। पुलिस ने एआई से कार के नंबरों और नकाब में छिपे चेहरों की फोटो बनवाई। इन फोटो की 200 से भी अधिक तस्वीरों से सिक्वेंसिंग कराई। इसके बाद आरोपी गिरफ्तार में आए। गिरोह के सदस्यों ने 30 नवंबर की रात ज्वैलर्स छगनलाल सोनी की दुकान से 1 किलो सोना, 200 किलो चांदी और 17 लाख रुपए नकद चोरी किए थे। छगनलाल ने एक दिसंबर को रतनगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया था। 30 पुलिस जवानों ने रतनगढ़, राजलदेसर, परसनेऊ, बीदासर, जसवंतगढ़ बाईपास और लाडनूं के करीब 1000 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। एक फुटेज में दिखी संदिग्ध गाड़ी दिखी। यहीं के आरोपियों का सुराग लगा। टीम को लीड कर रहे राजगढ़ के एएसपी निश्चय प्रसाद एम ने बताया कि आरोपियों ने चेहरों पर नकाब लगा रखा था। फिंगर प्रिंट ना आए इसलिए हाथों में दस्ताने पहने थे। कार पर भी फर्जी नंबर भी प्लेट थी। इस मामले को खोलने के लिए दूसरे राज्यों की पुलिस से भी मदद ली गई।

नकाबपोश की एआई से बनवाई गई फोटो

पहली फोटो नकबापोश बदमाश की है। इसी से चूरू पुलिस ने एआई और अन्य साफ्टवेयर की मदद से नई फोटो बनवाई और पूरे गिरोह का खुलासा किया।

भास्कर ने सबसे पहले सुझाव दिया था कि एआई से बड़े खुलासे हो सकते हैं

भास्कर ने 11 सितंबर के अंक में सवाल उठाया था कि आखिर बड़े मामलों को खोलने के लिए एआई जैसे टूल्स का उपयोग क्यों नहीं किया जा सकता।

एएसपी निश्चय प्रकाश ने बताया आरोपियों की लोकेशन कुचामन में ही आने के चलते पुलिस ने घर-घर छानबीन की। इसी दौरान कार गाड़ी ढंकी हुई नजर आई। यहीं से सुराग मिला फिर टीम ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पहली बार एआई की फोटो से गिरफ्तारी

चूरू पुलिस ने एआई तकनीक का इस्तेमाल कर नकाबपोशों की फोटो का मिलान कराया और 10 दिन में गिरोह का पर्दाफाश कर दिया। कार्रवाई में पुलिस टीम, साइबर सेल, डीएसटी , एजीटीएफ, एफएसएल टीम का सहयोग रहा। कांस्टेबल जगदीश व रमाकांत को मिली लीड के आरोपी गिरफ्तार किए गए।

-जय यादव, एसपी, चूरू